PGCAR

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र

(पी.जी.सी.ए.आर.)

सत्रीय कार्य

2023

(जनवरी 2023 और जुलाई 2023 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र

(पी.जी.सी.ए.आर.)

एम.टी.टी. 031–033

सत्रीय कार्य 2023

(जनवरी 2023 और जुलाई 2023 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.ए.आर.

प्रिय विद्यार्थियो,

जैसा कि अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम की 'कार्यक्रम दर्शिका' में आपको बताया गया है,) अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम में अध्ययन के साथ–साथ आपको कुछ सत्रीय कार्य भी करने हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम से संबंधित एक सत्रीय कार्य करना है। ये सत्रीय कार्य आपकी आंतरिक परीक्षा है तथा इनमें न्यूनतम निर्धारित अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। अतः इन्हें ध्यानपूर्वक और पूरे परिश्रम के साथ संपन्न करें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों का विभाजन इस प्रकार है :

कार्यक्रम	अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	
	जनवरी 2023 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए	जुलाई 2023 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए
एम.टी.टी. 031 अनुवाद एवं रूपांतरण के विविध आयाम	31.3.2023	30.9.2023
एम.टी.टी. 032 अनुवाद, रूपांतरण एवं मुद्रित माध्यम	31.3.2023	30.9.2023
एम.टी.टी. 033 स्क्रिप्ट लेखन, रूपांतरण एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम	31.3.2023	30.9.2023

नोट : अंतिम तिथि के उपरांत सत्रीय कार्य स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

उद्देश्य : अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (पी.जी.सी.ए.आर) के अंतर्गत अनुवाद सिद्धांत, अनुवाद के क्षेत्र, रूपांतरण की अवधारणा और आयाम, रूपांतरण एवं अंतर माध्यम अनुवाद, प्रतिलिप्यधिकार, मुद्रित माध्यम एवं अनुवाद, स्क्रिप्ट लेखन का स्वरूप और प्रक्रिया, दृश्य–श्रव्य माध्यमों के आयाम, प्रकार और रूपांतरण के विविध क्षेत्रों पर विचार करते हुए उसके प्रक्रियापरक पहलुओं पर चर्चा की गई है। सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे कहाँ तक व्यवहार में ला सकते हैं। यानी आपको इस योग्य बनाना है कि

अध्ययन के दौरान आपको जो जानकारी प्राप्त हुई है उसे अपने शब्दों में आप विधिवत प्रस्तुत कर सकें और अनुवाद और रूपांतरण विषय के रूप में भली प्रकार से समझ सकें।

सत्रीय कार्य करते समय ध्यान रखने योग्य कुछ महत्वपूर्ण बातें

- उत्तर के लिए फुलस्केप कागज का ही इस्तेमाल करें।
- प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए अलग उत्तर–पुस्तिका बनाएँ। इस तरह आपके तीन सत्रीय कार्यों के लिए तीन उत्तर–पुस्तिकाएँ होंगी; और
- अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाहिने कोने के सबसे ऊपर नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार अपनी नामांकन संख्या, पूरा पता लिखें तथा तिथि सहित हस्ताक्षर करें। नामांकन संख्या की पुष्टि अपने परिचय–पत्र तथा पाठ्य–सामग्री पर दिए गए पते से भी कर लें।
- अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के बाएँ कोने पर कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम का कोड, उसका शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड तथा अध्ययन केंद्र का नाम लिखें।

आपका सत्रीय कार्य इस प्रकार आरंभ होना चाहिए :

कार्यक्रम का शीर्षक : .... नामांकन संख्या : ....

नाम : ....

पता : ....
....
....
....

दूरभाष / मोबाइल : ....

पाठ्यक्रम कोड : ....

पाठ्यक्रम का शीर्षक : ....

सत्रीय कार्य कोड : .... हस्ताक्षर : ....

अध्ययन केंद्र का नाम : .... तिथि : ....

- पाठ्यक्रम कोड तथा सत्रीय कार्य के कोड सत्रीय कार्य पर मुद्रित होते हैं और वहाँ से देखकर लिखे जा सकते हैं। प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
- अपने उत्तर केवल फुलस्केप कागज पर लिखें और उन्हें अच्छी तरह नत्थी कर दें। बहुत पतले कागज पर न लिखें। कागज की बायीं ओर पर्याप्त हाशिया छोड़ते हुए एक तथा दूसरे उत्तर के बीच कम से कम 4 पंक्तियों का स्थान छोड़ें।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में आपसे दो तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में, तथा टिप्पणीपरक प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में देने हैं।

- प्रत्येक सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और उसमें यदि कोई विशेष निर्देश दिए गए हों तो उनका पालन करें। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं उन्हें भी ठीक से पढ़कर संदर्भों से मिला लें। प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी का संकलन कर उसे व्यवस्थित करके अपने उत्तर की रूपरेखा बनाएँ। तत्पश्चात् संगत जानकारी पर आधारित अपने उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें।
- सैद्धांतिक प्रश्नों को पहले भली–भाँति समझ लें तत्पश्चात् विभिन्न संकल्पनाओं का भी अध्ययन करें और उत्तर का खाका तैयार करें। इन प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष के संबंध में विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना संक्षिप्त एवं यह स्पष्ट करने वाली होनी चाहिए कि इस प्रश्न से आप क्या समझते हैं और आप क्या लिखने जा रहे हैं। निष्कर्ष में उत्तर का सार एवं मुख्य बिंदुओं पर जोर होना चाहिए। आवश्यक हो तो विश्वविद्यालय द्वारा दी गई अध्ययन सामग्री के अलावा विषय से संबंधित अन्य पुस्तकों, संदर्भों आदि का भी अध्ययन करें। आपके उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों से संबद्ध हों तथा उसमें निहित सभी मुख्य बातें शामिल हों।

सत्रीय कार्य समापन से पूर्व इन बिंदुओं पर भी ध्यान दीजिए :

(क) आपके उत्तर आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति प्रश्न के पूर्णतया अनुकूल हो।

(ख) आपके उत्तर अनावश्यक रूप से विस्तारित या संक्षिप्त न हों।

(ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

(घ) आपके उत्तर हस्तलिखित होने चाहिए। आपके उत्तर विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों की नकल न हों। यदि आप ऐसा करते हैं तो कम अंक मिलेंगे।

(ङ) अन्य विद्यार्थियों के उत्तरों से नकल न करें। यदि यह पाया जाता है कि आपने नकल की है तो आपके सत्रीय कार्यों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(च) प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिखें। प्रत्येक उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या भी अवश्य लिखें।

(छ) **सत्रीय कार्य को पूरा करके इसे मूल्यांकन हेतु अपने अध्ययन केंद्र अर्थात कार्यक्रम समन्वयक (पी.जी.सी.ए.आर.), अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ, ब्लॉक–15सी, इग्नू, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068 को ही प्रेषित करें।**

(ज) सत्रीय कार्य को जमा कराते समय निर्धारित प्रेषण एवं पावती कार्ड पर अध्ययन केंद्र से प्राप्ति दर्ज करा लें ताकि उसे आप परीक्षा फॉर्म के साथ संलग्न कर सकें अथवा अपने रिकॉर्ड में रख सकें।

(झ) यदि आपने क्षेत्र/अध्ययन केंद्र को बदलने के संबंध में निवेदन किया है तो भी आप अपने सत्रीय कार्यों को अपने पहले के अध्ययन केंद्र में ही तब तक भेजते रहें जब तक कि विश्वविद्यालय की ओर से आपको क्षेत्रीय केंद्र बदलने और नए अध्ययन केंद्र की सूचना नहीं भेज दी जाती।

एम.टी.टी.–031 : अनुवाद एवं रूपांतरण के विविध आयाम
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.ए.आर.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–031
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2023

अंक : 100

नोट : प्रश्न संख्या 1 से 9 का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. अनुवाद के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 10

2. विविध स्तरों पर अनुवाद की चुनौतियों की विवेचना कीजिए। 10

3. अवधारणा के संदर्भ में अनुवाद के प्रमुख प्रकारों की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 10

4. 'अनुवाद : एक सांस्कृतिक रूपांतरण' विषय पर प्रकाश डालिए। 10

5. भारतीय सिनेमा में रूपांतरण के विकासक्रम पर प्रकाश डालिए। 10

6. अंतरमाध्यम अनुवाद एवं रूपांतरण के अंतर्संबंध पर विचार कीजिए। 10

7. डबिंग, सबटाइटलिंग एवं वॉयसओवर के महत्व की चर्चा कीजिए। 10

8. अनुवाद और रूपांतरण में प्रतिलिप्यधिकार की चर्चा कीजिए। 10

9. अनुवादक की दृश्यता से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : $2 \times 5 = 10$

    (क) अनुसृजन

    (ख) अनुवाद के विविध क्षेत्र

एम.टी.टी.–032 : अनुवाद, रूपांतरण एवं मुद्रित माध्यम
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.ए.आर.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–032
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2023
अंक : 100

नोट : प्रश्न संख्या 1 से 9 का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. 'जनसंचार : अर्थ एवं स्वरूप पर निबंध लिखिए। 10
2. मुद्रित माध्यमों के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालिए। 10
3. जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की चुनौतियों की चर्चा कीजिए। 10
4. विज्ञापनों के रूपांतरण की विभिन्न युक्तियों की चर्चा कीजिए। 10
5. समाचारों के रूपांतरण के विविरध आयाओं का वर्णन कीजिए। 10
6. रंगमंच में कविता के मंचन के विभिन्न आयामों को रेखांकित कीजिए। 10
7. मुद्रित माध्यमों में रूपांतरण के विविध आयामों पर प्रकाश डालिए। 10
8. कहानी के मंचीय रूपांतरण की चुनौतियों की चर्चा कीजिए। 10
9. उपन्यास के रूपांतरण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। 10
10. **निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :** 2×5=10

    (क) मुद्रित माध्यम की भाषा

    (ख) रूपांतरण और अनुवाद

एम.टी.टी.–033 : स्क्रिप्ट, रूपांतरण एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.ए.आर.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–033
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2023
अंक : 50

नोट : प्रश्न संख्या 1 से 8 का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या 9 में दिए गए अंश के आधार पर स्क्रिप्ट लेखन कीजिए।

---

1. स्क्रिप्ट लेखन के स्वरूप का वर्णन कीजिए। 10

2. ड्रामा स्क्रिप्ट लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। 10

3. दृश्य–श्रव्य सामग्री के तत्वों का परिचय दीजिए। 10

4. संचार के विविध प्रकारों की विवेचना कीजिए। 10

5. डिजिटल माध्यमों के लिए रूपांतरण ने अध्ययन को सुगम बनाया है। तर्क दीजिए। 10

6. साहित्यिक विधाओं के टेलीविजन के लिए रूपांतरण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। 10

7. रेडियो रूपांतरण में ध्वनि प्रभाव से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए। 10

8. सिनेमा के लिए रूपांतरण की आवश्यकता की चर्चा कीजिए। 10

9. प्रस्तुत पाठ्यक्रम में आपने स्क्रिप्ट लेखन के विषय में विस्तार से अध्ययन किया है। नीचे एक कहानी का अंश दिया जा रहा है। प्रस्तुत अंश पर हिंदी में सिनेमा रंगमंच के लिए स्क्रिप्ट तैयार कीजिए। 20

In the town of Vladimir lived a young merchant named Ivan Dmitrich Aksionov. He had two shops and a house of his own.

Aksionov was a handsome, fair-haired, curly-headed fellow, full of fun, and very fond of singing. When quite a young man he had been given to drink, and was riotous when he had had too much; but after he married he gave up drinking, except now and then.

One summer Aksionov was going to the Nizhny Fair, and as he bade good-bye to his family, his wife said to him, "Ivan Dmitrich, do not start to-day; I have had a bad dream about you."

Aksionov laughed, and said, "You are afraid that when I get to the fair I shall go on a spree."

His wife replied: "I do not know what I am afraid of; all I know is that I had a bad dream. I dreamt you returned from the town, and when you took off your cap I saw that your hair was quite grey."

Aksionov laughed. "That's a lucky sign," said he. "See if I don't sell out all my goods, and bring you some presents from the fair."

So he said good-bye to his family, and drove away. When he had travelled half-way, he met a merchant whom he knew, and they put up at the same inn for the night. They had some tea together, and then went to bed in adjoining rooms.

It was not Aksionov's habit to sleep late, and, wishing to travel while it was still cool, he aroused his driver before dawn, and told him to put in the houses.

Then he made his way across to the landlord of the inn (who lived in a cottage at the back), paid his bill, and continued his journey.